

अथवा २७१

271

ASIA ARCHIVES

रुद्रप्रव

रुद्रनमः श्रीरुद्रनाथाय ॥ ॥ नागमेव ॥ ॥ ख ॥ कपूत्रप्रडाम
कमनीलनिचराग, कियलककलविध्वस्तुत्रिडासा ॥ १ ॥
वाहसमसान, गलासगडिउस, मालमालहालडास, आ
रनलहम ॥ २ ॥ रुद्रनमकूटचन्द्र, कलाद्यलाडानि, गम
मालसानअसजगममोहनि ॥ ३ ॥ सिद्धिनवसिक्कमिपम्

रुद्रकूटप्रस

क... ॥ ॥ श्रीरुद्रनमनिनविद्यनिमिव ४ ॥ १ ॥ नाग
रुद्रानि ॥ ५ ॥ मकूटकसखायान्कानरुद्रा, रुद्रनसुन्दर
शीन, कंकमयानस, वनकयालस, उपमातयमकीत्व ॥ म
सयाकृष्णयानुपनसिक्ककनेख, कदमकीसपयाडावस,
मोहनपतनजिमन ॥ १ ॥ खानचन्द्रमाचन्द्रमाडकील, कू

कुलमललेधानः ॥ १० ॥ दुनियागनमिहामिगल मिहका
 वनहनवान ॥ १ ॥ नीलमलिउससत्रसभनिलः गलसडी
 लखानमाल स्वयउसासउनिहगास सुनेहनकलईजाल ॥ २
 ॥ नाउकाऊद्यलसानरावकन लूमदामन्दिलमन सिद्धिनन
 सिद्धास्वामिगमपिनाथ लायदनदनमन ॥ ३ ॥ पृ २ ॥ ॥

२
 सिद्धकनक

१ नागविलस ॥ ७ ॥ अस्तिकनसिक कामयासालिक धनियानणी
 सपासा प्रव्यावननडास शकृगनः सहलकलकिशस ॥
 प्रपासाप्रववनननादा ॥ १ ॥ विहविहवा सगसउनासास सा
 मान्यमयादा अनेगशदनअमृगपासन ववनकसुनई
 दा ॥ २ ॥ अशदन्वदाअनाहानकादाअ अलसद्विलाअ

त्रिथदा ॥ ४॥ गुणलयलक्षिभनमदहन ॥ अलसमृदभददा ॥
३॥ सनहसंपतिभ्रगुप्तिनसति ॥ विविधकाननलभन ॥ ऊन
मजोवनकलवहानन ॥ पविगुहयशुभन ॥ ४॥ बुझादिद
वन ॥ आगठयागन ॥ कथिनकलेनरवन ॥ सिद्धिननसिद्धाखा
मिगतिपति ॥ श्रीलपिनाश्वाकपाधन ॥ ५॥ पृ ३ ॥ गगज्याता
वलि ॥ ५॥ ५॥ यानममथयथ ॥ विलखलंवा ॥ ५॥ मिनि

मित्रगतिज्ञातिकपालिगुमास ॥ १॥ मालसमभाउसाडाख
राखानमाल ॥ मखतविकठऊठगंमऊलधाल ॥ २॥ वमसि
धलहलमृगपलनाल ॥ मखतचनुकलामि मिखाविहान
॥ ३॥ कपत्रछाखनुधूलपाश्चुमनाऊल ॥ मखकविरुमरुत
धूकगुनिदल ॥ ४॥ ननिडाअसहइखसनहनवाडा ॥ सिद्धि
ननसिद्धाखा मिगपिनाथला ॥ ५॥ पृ ४ ॥ ॥

१ नागविलास ॥ कामां ॥ त्रयशोवन घनसालदयाडा, अने
 गकलानस अडाकथसयाडा ॥ १ ॥ खने छिदयिडा दधवा
 धनपनान, पत्रवपनसमलीमदनसुनान ॥ यासाहय ॥ २ ॥
 कंकमधनुननिव, शीखनुकपून, पसमिमइनससमिडास
 मगुल ॥ ३ ॥ निव २ डगनवे निरुनअडा, अकानअवना
 गगिनि गजमिसयाडा ॥ यासाहय ॥ ४ ॥ निनमनमनीनस

गुलमीललाय, सकलंदनमालीकशरुनलकुय ॥ ५ ॥
 असहयदनान, वायडपाय, सिद्धिनगीसुआखामी (ग) पिना
 (अ) साय ॥ ६ ॥ २५ ॥ ॥ नागप्रथमं कति ॥ ७ ॥ ७५ मस
 शदन, अमृनगुवाला, वनुमाडागुल्यकस, अयसससा
 ना ॥ माधवशसामयियमनना, सुनेहवसनसअवरुनाम
 यशना ॥ १ ॥ चनाचिनिनासदल, मिलसमवेन, काहिलि

नहिनयनेखा न्यायकन ॥ १ ॥ शास्त्रलनत्रिस्तुतान, डानकि
 उतन, हनिश्चानननगलसखन ॥ ३ ॥ हनिहूननन
 यनसन्ताषहधन, मायाभाहृपाभरुनकाभ्यामिलिकु
 न ॥ ४ ॥ यनवेलमनलल, इरखाहुगुहल, वहालविवाल
 हलभाकशोकल ॥ ५ ॥ एगमिफुदननसखविपनी
 नः सिद्धिननसिद्धास्वामी, गपिनाथानीत ॥ ७ ॥ ५ ॥

२०
 शोचि
 यो
 न
 वि

२० गमालया ॥ १ ॥ वालच्छिलच्छिपालसः पृथ्वमय्यावतम
 हयामरुया मनयादखहाय ॥ १ ॥ नाहातनतनमिडी, विहवि
 सवासाविडी, ननानडासनलिजाय ॥ २ ॥ नलेददलदनाप, ख
 विसदनदनाप, मकिउकिडिडाभाधयाय ॥ ३ ॥ निमहलहनम
 धन, भाभाभाओवनहन, मनासेकलननापनाय ॥ ४ ॥ सिद्धि
 ननसिद्धाकिडी, गपिनाथविष्कायिडी, डालसअनंददखडा

[illegible]

नाममात्रम् ॥ गङ्गा नि । किं न हि हन मदन प्राप्ता सखा यान इष्यान्मा
नः मृकटलम्भा क मित सन सिक . कृक म न सन सा हान ॥ स्याम
इया सा हान . क म न प्रा ल ह न ल प का न . स न पि पा यि क प मि मि प
कि नृ प सा न नि सा न ॥ १ ॥ प कि स्या व नु मा क डि म न न निर्म ल र वा
ल जाल . इ म ल्य म ति न क ल ल जाल न द्र स स न ॥ २ ॥ का म्या
क मान म ति न मि स न व कृ क म न स . प न य मि प त प द ध मि र वा

लज्जानलालसर्वस ॥३॥ शुभं नव गणपते नन्द गव सवन माला
 न् हाव नृ गि स्यापद ध सयन वसा ध ज्ञान ॥ ४॥ को म्हुत मला
 म्मन कथि स्या सग जल कश्चिन्, किय लव कद्दु हा थिक ना हात सभा
 हुन धन नहिन ॥ ५॥ नाप थल यै लीं पात्रि निपान सी हा ल साग
 त्या पात्, सिद्धि नल सिं श्म स्या मि ल्म पिना थ धाल ॥ ६॥ शुभ ॥
 ॥ नाग क्ता नाडा ॥ ७॥ ॥ द्या दया डा द्या ना ने मल मन्ति डा कि नि ति ॥ ८॥

हृयाडां प्रुशगय, पमिकयिनिमि ॥ सुयाक सुहयाडां न. रुद
यइरु रुने, सुयायाडां सुन सविन सत्रपकने ॥ १ ॥ डा गुलठडां व
नन, डा नसडु मिडां न, उहमिन रुदयिव विपति विडां ॥ २ ॥
वनमालान विगाडां न, वसरासुमहान, जूकान लसकामन
मविन डवान ॥ ३ ॥ सिद्धिन नसिद्धा स्वामिन, लमपिना थामन
डानन, स्वमिलमिमावदा ठू लोडां लोडां हाने ॥ ४ ॥ पृ १० ॥

२५
५
५

१॥ गगनाय नमः ॥ वा ॥ १॥ श्रद्धाया चन्द्रमाखलसं प्रलूकनान् कृणुत
वसुतसु कमलसु नान् ॥ २॥ गलसु मलत्वापलशु नान् मलि
मगमालेन गगिगलजाल ॥ १॥ ३॥ गुनिकमुन वावावधिक
नकुन ॥ ४॥ उतिदहसु उतिउतिहसनपुन ॥ २॥ धनमनगुलजि
५॥ जोवनवपुन ॥ धनिरुतिहयसु निपिनिमिधकुन ॥ ३॥ मरुनव
कतवलकतवनतिन ॥ सिद्धिननसिद्धिस्वामिनापिनाथनीन ॥ ४॥

२५
५
५

॥ ५॥ ॥ गगकोसिक ॥ वा ॥ १॥ श्रद्धाया चन्द्रमाखलसं प्रलूकनान् कृणुत
ल ॥ कलदिवा लक्ष्मीनमगुजान ॥ १॥ चितनननसुसस्म
सुलगरित ॥ पनलकलायिउ ॥ धवलकालिविन ॥ २॥ गगजय
नमनिहवकनामनाल ॥ निमिरवावष्टिसवससहनउ ॥ वापा
ल ॥ ३॥ मासिकमाककुलसु यज्ञाननाउ ॥ नखगननसमृत
नेमालनासुउ ॥ ४॥ कामद्यलनगनसकृकमनलाल ॥ नस

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

वननावनलवनवकाशाल॥१॥उपमाभयलेनीशिकलवाल
 ७, लिङ्गनगसिंहासामिनाथमा॥७॥वृ१२॥नागवना
 नि॥४॥७॥गुल्लगुल्लवकने, गुल्लवहननमलमने, ति
 करवने॥६॥गुनिङ्गि७॥निगुनिङ्गि६॥देवनशालकलने॥१॥
 ॥वकाश्याचनुमायाकमाया, काशकाललरुनियाया, कृगना
 या॥२॥वृशधनभाकृनारुशाला, काममितयकललोपा

二五九

प्रास्थापासा ॥ ३ ॥ हेमल्याङ्गीलस्वाननुमन, जानास्वानइतल्लेन
 दन, निनसन् ॥ ४ ॥ सिद्धिननसिद्धास्वामिजिउ, गमपिनाथ
 नसंसंदविडा, वनकीडा ॥ ५ ॥ १३ ॥ नागमालया ॥ ६ ॥ मिसा
 डासहिठरवालवनुमानेजाल, खयवेयमझल, आयनअंध
 काल ॥ सन्द्रीमनमसझनहुडाविवात, काङ्कइनाइलज
 वसन्सगमान ॥ १ ॥ विविक्तनेमचानेचनगिवाडा, वनज

[illegible]

यान् ध्वजध्वजगयस्तुनानस्वयान् ॥ २ ॥ अजगवा नाडाखविह्व
 रुदयाडाः पृथिव्याचन्द्रमाकल्लूमायाडाः ॥ ३ ॥ अत्रिनकामन
 वृत्तकामनवेहान् रुदयककनदन्डावन्दान् ॥ ४ ॥ अदि
 ननसिंहासामिगमयिनाधूयानिः सऊनपञ्चगुलनाडा
 नाध्वानाती ॥ ५ ॥ पु १५ ॥ २ नागविहास ॥ स्वा ॥ अन्तिलमलि
 नमसदनिमनिमालः मनससिधनेरुकिमदिबानरयद्यम

॥ साऊनमयकशकश्रीकपयथाज्ञान, मयलमशानेष्टायानवच
न्यापनियान ॥ १ ॥ कृतिल नगलकृदिद्यानपुनदन, भिनरन
सानदनद्ययलदवानथन ॥ २ ॥ अलतिनक्रियामिरा, ग्वालति
नदनक्रिया, खानथरुडासपनयागहियाक्रियाक्रिया ॥ ३ ॥ सि
ठिनरसिद्धास्वामि (अपि नाथ) साऊ, रवनादयसयदयाधया
दायाकाज ॥ ४ ॥ यूर २१ ॥ श्रीरुद्रिदे ॥ श्रीरुद्रिदेविना, सूरव

धनविना, ग्रहवरुणीविना, विप्रार्थदविना, कलसुगविना,
(मेन्यवनाश्रविना, हननमुविना, मुयापतिविना, पृजाविना
दवता, उगसर्वन (गारुतेवसगह, वालीचविशविना, काया
हंसविना, नदीकलविना, दाताविना, श्रवका, आतासुहवि
ना, रुलनसविना (धनवदुर्ध विना, रुग्णीरुकिविना, पु
नचयविना, दह हैवपोविना, दीयहलविना, निराश
शानि विना, पृथ्वीविनामानवा ॥ ॥

अमुनि, अत्रिज अ व्ही न ॥ २ ॥ सिंह अ सा क्रम पा
 लि, पन दक्रा पाडा, ना ना था न का सिन ह, पि आ क दि
 ला ॥ ३ ॥ हा क के का वि या म मि, ह डा त ग मि ह, के श ल
 न मि डा थ डा, म न ल पा ली भ ॥ ४ ॥ ॥ वा हा ना डा
 वि डा य ॥ ५ ॥ पि थ या द थ ह, म न क मि वि ना ह, ह व न

२
 १७
 ३१
 २०

ॐ समद्वयज्ञान, शेषितवस्तुहिन, प्रकाशितवस्तु
 ह, शब्दज्ञानज्ञानगतधन ॥ दनसुनयायनृषादा ॥
 ॥ १ ॥ द्वंद्वद्वयधन, यदिताससादिक, वस्तुनाच
 नानन्दविष्काक, माहाकाशदिन, ज्ञानगदव
 इधन, अरुगुतिधनमयाथा ॥ २ ॥ वरुनिसेदन

अज्ञाज्ञाज्ञानमयि, मप्रमद्वयज्ञानगुतिधन, वस्तु
 प्रज्ञानयनि, धनमस्तुगनमन, श्राननवाहाइनधना
 ॥ ३ ॥ मप्र २ ॥ **नाग** **धन** ॥ सुन्दलिरुनखन, डा
 ननयाधनिज्ञान, गनसयादनसुनयाय, वस्तुमाय
 लगतिन, पानिषनसुमलन, यायदिनरुपतपज्ञा

ॐ श्रीगणेशाय नमः

डा॥१॥ वा अन्दिश्रि सुत, गुनिकंजनया मग, ग्रीन
नवाहाइलकाल, धलमसचादमृज, निश्वेसुस्य
नागडान, थनरुसडाकृष्टननाक॥२॥ मय ३ ॥
नागपदनिमा॥ **स्व॥** एवानिरुजनपे, अनन्यथापे
डली, रगमिनपुत्राया यडासमापानि स॥ रुजनपय

ॐ श्रीगणेशाय नमः

निषनेखान॥१॥ मनयित्रया सथडा, जयनयलाडा, रग
डानपदालथ, नायदस्वजडा॥२॥ वा अन्दिश्रि सुत
नयमिनकान, मननथपुत्रइयिडासयाकृपान॥३॥
॥ मय ४ ॥ **॥ नागविलास॥ वा॥** ॐ एव निरुजन
यम, यासमनयित्र, एवरयमदयकेशम, थमवित्

[illegible]

प्रजापति ॥ सहास्रवाचा ॥ १ ॥ नृपति वचन श्रुत्वा मनन
 दित्या ॥ हिंदुमहिंदुसमस्तयायहिंदुता ॥ २ ॥ श्री ॥
 मय ॥ ॥ नागमात्रधना ॥ श्री ॥ वा ॥ जननि हनरपशु
 लंदकी यादृपान् नमनपुनिहवा नेता न नूननान
 ॥ सन्दिता ननूननान ॥ १ ॥ नृपति वचन श्रुत्वा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ह्रीं लन्ट पणिन थं मननीहियान्, उा स्यादयाइ
कमदने सुनान ॥ २॥ मिपू ॥ ॥ **नामदज्ञान** ॥
॥ ॥ ॥ **॥** ॥ **॥** ॥ **॥** ॥ **॥** ॥ **॥** ॥ **॥** ॥
नामकाह, वाने, चयाध्या ॥ १॥ श्रीवनवाहाइन
सुवचनह्लास, मायामाहनावनह, अनचयाथा

ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय

॥ ॥ २॥ ॥ **॥ मिपू ॥** ॥ **॥ नामप्रथमज्ञान ॥** ॥ **॥** ॥ **॥** ॥
स्वमनसकह, अनचयापनिजन, गंगमसमातद्रु
याधने, रगकिमनसकय, हनिहनपूजायाय, वा
पदकाकूककनना ॥ १॥ निपात्ररुमियाधनि, न
त्रदकासयामनि, श्रीवलवाहाइज्ञान, धनमस

२ संनमसनास

श्रीकृष्णाय नमः । त्रयस्त्रिंशदक्षरम् । यदात्रयत्रा ० ॥
 शिर्या ॥ २ ॥ ॥ मन्त्र ॥ ॥ वाजपत्ये ॥ वा ॥ सन
 समनसकस- अनेचयाञ्जाहा- यस्यपिदनस
 नयायनयाञ्जाहा ॥ आनन्द २ दनञ्जाहा- हन
 खनअनेचयाञ्जाहा ॥ १ ॥ गुप्ते ग्वनिपिथसुवान

२ कनकाभार

श्री गुरुदेव । जय गुरु जी गुरुदेव । यन्त्रया ज्ञात्वा ॥
 ॥१॥ श्रुतलवासाइन, सुवचन हल, यनापदनायद
 न, रुगनिन श्रुता ॥३॥ ॥॥ मय १० ॥ ॥ नाम
 ॥॥ ॥॥ रुनख मन शन श, डा न नया जामि
 नि, मनि श्रुत गिनि वन नानी, दल शन या यथ नी

वरुणशानि, सुथिननयायनयमनि ॥ हनख
 नखनवानथनि ॥ १॥ मत्रमदथडाज्ञान, स्वग
 डाडनिपुन, अशुनिमृगुनियाथासु, वक्र
 दिदयपनि, आगडागयाकदनि, सनननम्
 निजनधनि ॥ २॥ ॥ नाकुडकि सुन, धनम

कनमनन, धानलवासाइनविन, क्षानथमस
 वचन, दवियारगणिमन, मायाबभासभा
 नगानरि ॥ ३॥ ॥ मय ११ ॥ ॥ नागस
 त्रग ॥ ४॥ ॥ जनेसजिअनिनय, गुक्रधनिरिद
 ग्यय, जयवकुनधनिनानी, नाक्रधनिदनस

२
 जनेसजिअनिनय

न. का. ल. ध. नि. सु. म. ल. न. ज. य. म. ग. न. ध. नि. ध. आ.
 न. ॥ डाने न. य. आ. गि. नि. द. न. स. न. या. य. ॥ १ ॥ ज. य.
 वा. ल. ध. नि. आ. ग. या. य. न. य. अ. क. ध. नि. मा. न. ग. य.
 नि. ज. श. ग. नि. थ. न. रु. व. न. ध. नि. द. वि. रु. व. न. स.
 म. इ. श. न. रु. ग. नि. म. ग. नि. ना. य. थ. स. ॥ २ ॥ ना. ज. न. ड.

श्री. स. क. नि. ति. वि. ब्र. क. न. ग. श्री. न. ल. वा. हा. इ. न. ड.
 ल. स. हा. न. या. सा. न. श. व. न. द. ड. या. रु. ग. नि. न. ग. व.
 ह. य. द. हि. द. ग. नि. ना. ग. ॥ ३ ॥ ॥ नि. प. १२ ॥ ॥

१. ना. ग. ज. य. ड. म. नि. ॥ ५ ॥ स. न. भ. म. न. स. न. स. ड. न.
 न. य. थ. नी. न. य. व. न. स. वा. द. ड. व. ध. नि. या. ज. य.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अष्टात्र
संसारसिद्धि, मनधिलयायमनी, मायाभासा
लन ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ इत्यथ मसुवयन
नवगिद्धनी, ननमनयाय नमो ॥ ॐ नमो
नियम, त्रयतय नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

॥ अथ ॥ ॥ गगनरुपाणि ॥ वलिमांतात्र ॥ ॐ न
न्या अगिनिह नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ
सुतनडाडा, सुतयाय नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ अथ
नयिग्रलगाया हा इल्लाल, अथ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
या तात्रता, अथ गलियदा नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

आहनासिन

१ नागशाखावलि ॥ ७ ॥ गमना जातमनीद ॥ अनिलरुहि मन्त्रि
द ॥ मरुयायनद ॥ धनिकुशीन ॥ कुयनिकुपनदधिनजीन
२ गहिनिमहिनिद्रयातनीर ॥ खपिःग विद्रुलवृद्धिद्र
याय ॥ ठनिमिहिनडा खअमकाय ॥ १ ॥ एथनकायम
जीडा ॥ शासकमावताविडा ॥ दननदरता गननडाद ॥ थथ
मकाताहा तमनदद २ ॥ ननयवडा सविमत्तुखद ॥ २ ॥

अनंता

यूपन नाक अग्नि न, अग्नि गुमान महीनि, सहन द्यात सपदा
 अनायि अ, नात्र ते मच्छा नाज व वृदायि अ २ त्रिष्टुभ्य पतत
 द्यात्तलायि अ ॥ ३ ॥ सुन्दरी गम अष्टा नुन, पुत्र्या पुन्य न
 पुन, नव स सन ह संपत्ति थूल, सिद्धि न व सिद्धा स्वामि व न
 न २ गम पिनाथ अ न स सति श्वानि इ न ॥ ४ ॥ पु २२ ॥ नाग जय
 अ ॥ ५ ॥ मूर्धन्य नय नाम न म क अ अ अ, वाग पि ह (अव्य क्रान नम

आङ्गनमस्तुः काञ्चिककुंजरवनालगात् ॥ १ ॥ मनुजपतयदले
 नधनमस्तुः अने गजतननमस्तु ॥ २ ॥ इतिहेतुनधनना
 भात्रगा समयनोः लाभनित्या राभासानदानो ॥ ३ ॥ कालकसक
 नयधः वरुनधजोवनसः त्रिजिवावदानविवान ॥ ४ ॥ रात्रध
 दिप्रानः मदनधनधंधानः शानकानकाडा मवाडा ॥ ५ ॥
 धनिह निकनसकनसकनसदानोः आयुजनामलिपक्षनि

दाठा ॥ ७ ॥ सिद्धिनसिद्धासामि गायिना ध्यासेवा ॥ ८ ॥ यामयजमन
 ज्ञानदाता ॥ ९ ॥ पृ २३ ॥ गगरुध्यानि ॥ १० ॥ वसुडलननस
 कलधनिधालः ॥ ११ ॥ साहागुलापिनिमिदकाल ॥ १२ ॥ प्रायान
 हयडपमामलअरुक्कनः त्रियानगलनननिधुम
 ने ॥ १३ ॥ वसुडलसुडानजिडामकिमनः गजधेनजधननाक
 लकथन ॥ १४ ॥ कामसनवसुसानकायाडवधिनः कडालज

२०
पृष्ठ

नन ॥ ३ ॥ जनमज्जनायाश्च न गयन्त्यकलम ॥ सह
लक्ष्म कलधनम ॥ ४ ॥ सिद्धिननसिद्धा स्वामिन्मपि नाथ
राडा ॥ कनखन नमने नुनन सुख राडा ॥ ५ ॥ पृ २४ ॥ नागविरा
रा ॥ ६ ॥ मिहडा सिडा सनन ॥ हिशेफा सापनिज्जन ॥ मज्जनपलय
यलसान ॥ माधवमस नहु दयइवकने ॥ १ ॥ अननडधानदि
तदपदम विलकिन ॥ ३ ॥ मनायापानपनकान ॥ २ ॥ सनेहव

सनकान सनद्विधिलमकान ॥ वलु मायामयलडि धना ॥ ३ ॥
संज्ञानरुमि सुताल कपूर अथज सुताल ॥ मयानवचनपन
मान ॥ ४ ॥ रुमाडा कबेलगुलरि काडा कडा निकल ॥ सुखान
थनकाडापनान ॥ ५ ॥ पश्यतिमिरा लडा असननाम स्यानाम ॥
सनवसुलाल लकडा ॥ ६ ॥ सिद्धिननसिद्धा स्वामिन्मपि नाथ
वग ॥ सनानमनमने स्याडा ॥ ७ ॥ पृ २० ॥